मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BHDC–110

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी

(बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एच.डी.सी.-110 : हिन्दी कहानी

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) "हरजन को वेद पढ़े में मनाही है और ई सब पढ़ेंगे त कल बेदवो पढ़ लेगा। भस्मासुर वाला हाल हो जायेगा

कि शंकर भगवान के कपार पर हाथ धरने लगा था। विष्णु भगवान जनाना रूप धर के नहीं आते त भसम ही हो गए होते। हमनी के भी कुछ अइसने ही चाल चले पड़ेगा।"

(ख) किन्तु जंगल की खामोशी शायद कभी चुप नहीं रहती। गहरी नींद में डूबी सपनों–सी कुछ आवाजें नीरवता के हल्के झीने परदे पर सलवटें बिछा जाती हैं, मूक लहरों–सी हवा में तिरती हैं, मानों कोई दबे पाँव झाँककर अदृश्य संकेत कर जाता है– "देखो मैं यहाँ हूँ" लतिका ने जूली के 'बाब हेयर' को सहलाते हुए कहा, "तुम्हें कल रात बुलाया था।"

(ग) "हाँ, यह तो पता था, पर यह नहीं पता था कि कुल्लू के किस हिस्से में हो। अब भी तुम अचानक ही दिखाई दे गईं, नहीं मुझे कहाँ से पता चलता कि तुम इस जंगल को आबाद कर रही हो ?"

(घ) उसने हीराबाई से अपनी गीली आँखें चुराने की कोशिश की। किंतु हीरा तो उसके मन में बैठी न जाने कब से सब कुछ देख रही थी। हिरामन ने अपनी काँपती हुई बोली को काबू में लाकर बैलों को झिड़की दी—"इस गीत में न जाने क्या है कि सुनते ही दोनों थसथसा जाते हैं। लगता है, सौ मन बोझ लाद दिया किसी ने।"

(ङ) हल्कू ने रुपये लिये और इस तरह बाहर चला मानो अपना हृदय निकालकर देने जा रहा हो। उसने मजूरी से

एक-एक पैसा काट-कपटकर तीन रुपये कम्मल के लिए जमा किये थे। वह आज निकले जा रहे थे। एक-एक पग के साथ उसका मस्तक अपनी दीनता के भार से दबा जा रहा था।

2. प्रेमचन्द युगीन हिन्दी कहानी की प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। 16

3. 'उसने कहा था' कहानी के आधार पर लहना सिंह के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। 16

4. 'पूस की रात' कहानी का मुख्य प्रतिपाद्य क्या है ? 16

5. 'हार की जीत' कहानी में बाबा भारती के चरित्र का सामाजीकरण हुआ है। स्पष्ट कीजिए। 16

6. 'पाजेब' में चित्रित बाल मनोविज्ञान का विश्लेषण कीजिए। 16

7. 'सिक्का बदल गया' कहानी विभाजन–विस्थापन और स्त्री के दर्द की कहानी है। स्पष्ट कीजिए। 16

8. 'दोपहर का भोजन' कहानी निम्न–मध्यवर्ग की समस्याओं पर आधारित है। स्पष्ट कीजिए। 16

× × × × ×